Dainik Bhaskar

Pradarshankari Medical Chhatro par halka bal prayog, 10 ghayal

Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 4 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 13 H: 18

Clip: 1 of 1

प्रदर्शनकारी मेडिकल छात्रों पर हल्का बल प्रयोग, 10 घायल

▪ प्रदर्शनकारी स्वास्थ्य मंत्रालय के ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती के नियम में संशोधन की कर रहे थे मांग

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय के खिलाफ गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इसमें करीब 10 जूनियर डॉक्टर घायल हो गए। घायलों को लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

प्रदर्शनकारी छात्र ग्रामीण क्षेत्र में तैनाती को इंटर्नशिप एवं पीजी ट्रेनिंग का हिस्सा बनाने की मांग कर रहे थे। मेडिकल स्टूडेंट्स एंड यंग डॉक्टर्स द्वारा आयोजित प्रदर्शन को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएम) ने भी समर्थन किया। आईएमए की छात्र शाखा के राष्ट्रीय सचिव अनिरूद्ध ने बताया कि वे शांति पूर्वक स्वास्थ्य सचिव को ज्ञापन देने के लिए कार्यालय जा रहे थे तभी जंतर-मंतर पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने के लिए हल्का प्रयोग किया और पानी की बौछारें कीं। इसमें लगभग 10 छात्र घायल हो गए जिनमें तीन छात्राएं हैं।

जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि पीजी से पहले हमारा एक साल बर्बाद हो जाएगा इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती को पीजी के दौरान ही शामिल किया जाए। इसके अलावा उन्होंने अंडर ग्रेजुएशन (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) मेडिकल सीटों की संख्या बराबर करने की मांग की।आईएमए के महासचिव डॉ.नरेंद्र सैनी ने कहा कि आईएमए ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती का समर्थन करता है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में इसे अनिवार्य किया जाना मुमकिन नहीं हैं, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित तैनाती की कोई प्रणाली नहीं है। नियमतः प्रत्येक पीजी छात्र को अपने कोर्स/इंटर्नशिप के दौरान छह माह तक ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती को अवश्य पूरा करना चाहिए। अनिरूद्ध ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती को अनिवार्य न बनाकर स्वैच्छिक बनाया जाए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल छात्रों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया।